बच्चों के बीच सेवकाई के लिए दर्शन

एक दिन मेरा पति डॅवाइट और मैं एक लम्बी सड़क यात्रा में थे और कार में किसी से भेंट करने जा रहे थे कि तभी परमेश्वर ने अचानक बच्चों के बीच सेवकाई के विषय में मेरी आंखों को खोला। हम सेवकाई की योजना के बारे में बातें कर रहे थे और साथ में प्रार्थना भी की। जब हम प्रार्थना कर रहे थे, तब परमेश्वर ने मुझे एक दर्शन दिया।

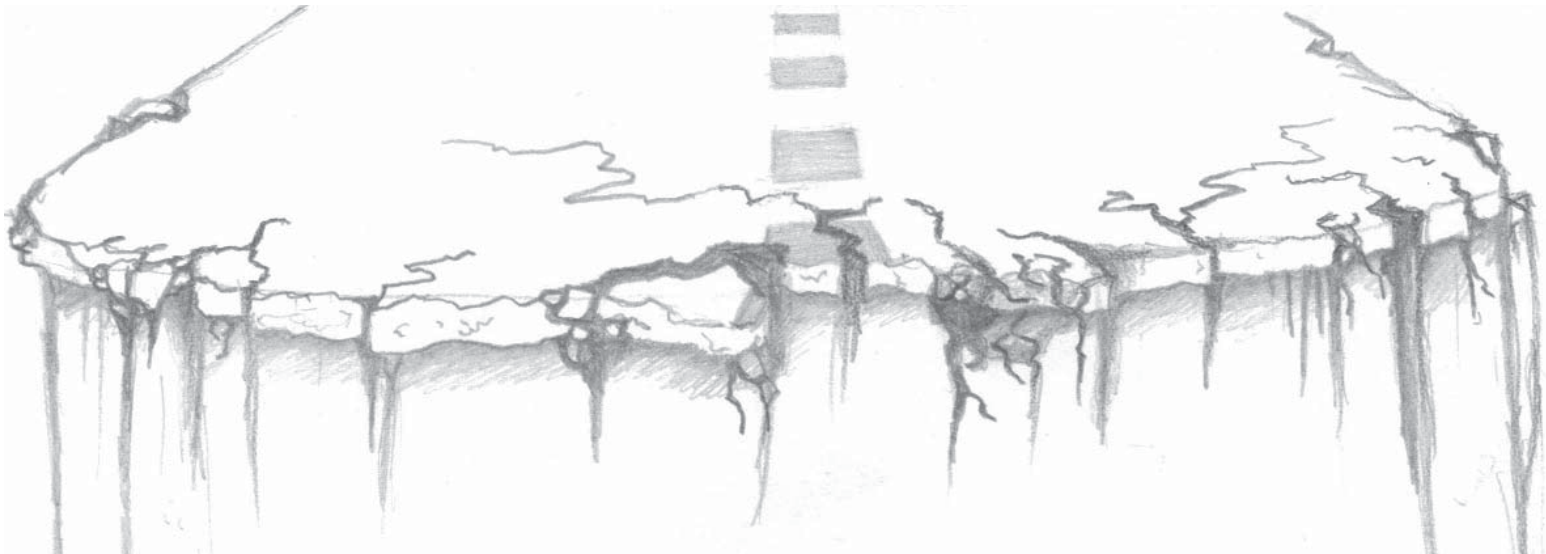

मैंने लोगों की एक बड़ी भीड़ को एक चौड़े रास्ते पर दौड़ते हुए देखा। यह एक बड़े मैराथॉन की तरह थी जिसमें हज़ारों धावक एक साथ दौड़ते हैं। हर कोई उस रास्ते में आगे की ओर भाग रहे थे। कोई भी इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा था कि उनके आगे एक बड़ी खाई है जहां पर वह सड़क गायब हो जाती है और सड़क सीधी उस खाई में जाकर खत्म होती थी। वे लोग फिर भी लगातार दौड़ते रहे जब तक कि वे उस गड्ढे के पास नहीं पहुंच गये और अचानक उस खाई के तल में गिर पड़े। उस खाई के तल में पहले ही कई लागे घायल पड़े हुए थे।

वहां पर लोगों का एक समूह था जो वहां तल में घायल लोगों की दौड़–दौड़ कर सहायता कर रहे थे। मैंने वहां पर कई सारे शिविर देखें जो अस्थायी अस्पतालों और चिकित्सा क्लिनिक की तरह नज़र आ रहे थे। वहां पर डॉक्टर और नर्स घायल लोगों को कई शिविरों में लेकर आ रहे थे जहां पर उनकी सेवा की जा रही थी। किसी की टांगें टूटी हुई थी, किसी को अधिक मरहम पट्टी की जरूरत थी, और कई एक मर चुके थे।

परमेश्वर ने मुझे दिखाया कि वे विभिन्न शिविर अलग अलग संप्रदायों को दिखाता है। वे डॉक्टर उन कलीसियाओं के पास्टर थे, और जो उन घायल लोगों की सेवा कर रहे थे वे सब सेवकाई में थे। ऐसे भी समय आया जब एक घायल व्यक्ति की सहायता के लिए लगभग 3 लोगों की जरूरत पड़ी, इसलिए वे विभिन्न संप्रदाय आपस में झगड़ने लगे कि कौन उसे अपने शिविर में ले जाएगा।

जो लोग उस सड़क पर भाग रहे थे वे आज की पीढ़ी के बच्चों को दर्शाता है। परमेश्वर ने मुझे बताया कि बहुत कम ही लोग इन बच्चों की सहायता कर रहे थे और उस खाई के बारे में बता रहे थे जो कि उनके सामने थी जिसमें लोग गिर रहे थे। हर एक सेवकाई वहां नीचे की ओर उस खाई के तल में जाकर उन लोगों की सहायता कर रही थी जो वहां गिर गये थे। लेकिन वास्तव में कुछ मर चुके थे, और उन मौतों को टाला जा सकता था, यहां तक कि उन सभी पीड़ाओं और कष्टों से भी बच सकते थे।

वे टूटी हड्डियां और मरहम पट्टी उस दर्द को दर्शाता है जो लोगों में मसीह को पाने और जीवन रूपांतरण से पहले उनमें था। वहां पर तलाक का दर्द था, किसी दुकान के चोरी होने और कारागृह में जाने का दर्द था, गलत शादी का दर्द था और साथ ही अनेक पापों में पकड़े जाने का दर्द था। तब भी सेवकाई में ऐसे कई लोग थे जो इन लोगों की समस्याओं में उनकी सहायता कर रहे थे, लेकिन बहुत कम ही लोग ऐसे थे जो वास्तव में इन बच्चों को वहां गिरने से पहले चेतावनी या सहायता दे रहे थे।

वहां नीचे की जाने वाली सेवकाई रोमांचक है क्योंकि आप वहां पर ऐसे किसी को पा सकते हो जो मृत्यु के कगार पर है और आप उसे सीपीआर प्रदान कर सकते हो। कुछ ही मिनटों में आप किसी की जान बचा लेते हो! वहां पर तुरंत एम्बूलैंस अपना भोपू बजाते हुए पहुंचता है और हर कोई देखते हैं कि आप क्या कर रहे थे जब आप उन घायल लोगों को उठाकर अपने संप्रदाय के

शिविर की ओर ले जाते हो। लेकिन ऊपर शिखर पर, बच्चों के साथ काम करने पर, जब आप किसी को सामने वाली खाई में गिरने की चेतावनी देकर उसे रोकते हो, तो वहां पर कोई प्रदर्शन नहीं होता और कोई आप पर ध्यान नहीं देता है। वहां पर कोई शोर नहीं होता और न ही कोई आप को देख रहा होता है। वहां पर केवल एक ही व्यक्ति होगा जो उस भीड़ के साथ दौड़ना छोड़कर अपने आप को उस खाई में गिरने से बचा लेता है।

तब, ड्वाइट और मैंने महसूस किया कि बच्चों की सेवकाई के प्रति हमारी आंखें खुल गई हैं। यह बच्चों की सेवकाई नहीं थी। यह मानवजाति की सेवकाई थी, संपूर्ण आत्माओं और प्राणियों के लिए। बच्चों की सेवकाई दरअसल लोगों को भीड के साथ बिना देखे हुए भागने से रोकती है जो एक भयानक हादसे की ओर बढ़ रही है। बच्चों के साथ जो चीज़ें छोटी है वह उनका शरीर और पर्स होता है। वे कलीसिया में दसांश नहीं देते, और वे दूसरों के मुकाबले छोटे लगते हैं। लेकिन वे ''स्पंज'' की तरह होते हैं जो अपने में कई सारी जानकारियों को सोंक लेते हैं और यह भी सीखते हैं कि इस जीवन में कैसे ''दौड़ना'' है।

ड्वाइट और मैंने नीचे के उन शिविरों को छोड़ने और ऊपर शिखर पर आने का निर्णय लिया, और लोगों को उस खाई में गिरने से ''रोकने'' के काम को आरंभ किया। इसलिए कि बहुत कम ही लोग बच्चों के बीच सेवकाई कर रहे हैं, तो यह महत्वपूर्ण लगा कि जो पहले से ही इस सेवा को कर रहे हैं उनकी मदद की जाए। हमारा काम था कि जो ऊपर शिखर पर कार्य कर रहे हैं उनकी मदद करें और साथ ही वहां बने रहने में उन्हें उत्साहित करते रहे।

पिछले 10 सालों से मैं मैक्सिको में एक मिशनरी के रूप में सेवा कर रही हूं। मैंने इस बीच यह पाया कि लगभग 90: कार्यकर्ता बच्चों के बीच सेवकाई में बने रहने की योजना नहीं बना रहे। वे वहां पर तब तक ही रहते हैं जब तक कि उन्हें कलीसिया में एक बेहतर पद नहीं दिया जाता। मैं इसे अच्छी तरह से समझ सकती हूं क्योंकि मैंने भी ऐसा ही किया था। मैंने 18 साल बच्चों के बीच सेवकाई करते हुए गुजारा था, लेकिन मैंने दरअसल कभी भी वहीं पर बने रहने की योजना नहीं बनाई थी! मैंने वहां से इसलिए आरंभ किया था क्योंकि यह कलीसिया में सेवकाई का एक स्थान था। मुझे हमेशा ऐसा लगता था कि मैं महिलाओं की सेवकाई में आगे शामिल हो जाऊंगी और फिर किसी एक पास्टर की पत्नी बन जाऊंगी। मैं काफी रोमांचित थी जब हम मिशनरी बने, क्योंकि मैं अब मसीही समुदाय की सीढ़ी में ऊपर चढ़ चुकी थी।

हालांकि, मैनें कभी यह कल्पना नहीं की थी कि मैं वापस बच्चों की सेवकाई में वापस लौट आऊंगी।

उस निर्णायक दिन, कार में बैठे हुए, जब हम एक सड़क यात्रा पर जा रहे थे, तब ड्वाइट और मैंने बच्चों के बीच सेवकाई की बुलाहट को महसूस किया। यह केवल कोई एक बुलाहट नहीं थी, बल्कि हमें ऐसा लगा कि परमेश्वर ने हमें अपने तर्क को भी दिखाया था कि वह ऐसा क्यों चाहता था। किसी को तो खाई के ऊपरी शिखर पर जाना था और लोगों को उस भयानक खाई के प्रति चेतावनी देनी थी। नीचे खाई में जाकर उन लोगों की सेवा करके उनके जख्मों को भरने से कितना उत्तम हैं कि उन लोगों को वहां पर गिरकर चोट लगने से पहले ही बचा लिया जाए।

मैं आशा करती हूं कि इस दर्शन के साथ, परमेश्वर ने बच्चों के बीच सेवकाई के लिए हमारी आंखों को खोल दिया था।

इस बात का वास्तविक ''शिक्षण'' से कोई सरोकार या संबंध नहीं है। इसका संबंध केवल वास्तविक आत्माओं के साथ काम करने से हैं इससे पहले कि वे पापों में गिर जाए जो उनके जीवन को खत्म कर सकती है।

बच्चों की सेवकाई में, हमें पासवानों, सुसमाचारकों, अध्यापकों, कुक, आयोजकों, फेसबुक मैनेजर, साउंड नियंत्रकों, संगीतकारों, कलाकारां और ऐसे ही अन्य लोगों की आवश्यकता है। जो कुछ मसीह की देह में हैं, उन सब की बच्चों के बीच सेवकाई में आवश्यकता है। हम केवल शिक्षकों को ही नहीं देख रहे। हमें सबकी मदद की जरूरत है। हमें ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो उनकी आंखें खोल सके, और जीवनभर के लिए बच्चों के बीच सेवकाई विभाग में काम कर सके। हम अस्थायी कार्यकर्ताओं की मदद भी ले सकते हैं क्योंकि हमें मदद की अति आवश्यकता है। लेकिन हमें ऐसे वयस्क लोग चाहिए जो बच्चों के बीच सेवकाई के लिए समर्पित हो, और वास्तविक आत्माओं, वास्तविक प्राणियों, वास्तविक मानव, वास्तविक लोगों की मदद करने के लिए समर्पित हो इससे पहले कि वे उस खाई में गिर पड़े।

Vision for Children's
Ministry Hindi
20132

www.ChildrenAreImportant.com
info@childrenareimportant.com
We are located in Mexico.
DK Editorial Pro-Visión A.C.

बच्चें महत्वपूर्ण है